राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–prrajbhavan@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने ए॰एन॰ कॉलेज में आयोजित युवा महोत्सव 'इन्द्रधनुष' का उद्घाटन किया

पटना, 03 मई 2018

''65 प्रतिशत से भी अधिक युवाओं की आबादी वाले देश में युवाशक्ति ही देश को सशक्त और समृद्ध बना सकती है। कौशलयुक्त और नैतिक आदर्शों से परिपूर्ण युवा भारत का नवनिर्माण करने में पूरी तरह सक्षम हैं।''–उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने नवसृजित पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के अनुग्रह नारायण कॉलेज, पटना में आयोजित तीन दिवसीय युवा महोत्सव –''इन्द्रधनुष–नयी पीढ़ी : नये रंग'' –का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि भारत के स्वर्णयुग का जो इतिहास है, वह वस्तुतः बिहार का ही इतिहास है। बिहार की युवा शक्ति अत्यन्त प्रतिभासम्पन्न, परिश्रमी और तेजस्वी है। गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, घोषाल, आर्यभट्ट, मंडन मिश्र–भारती मिश्र जैसे अनगिनत महामानवों और विद्वद्जन की बिहार की यह धरती ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रूप से पूरी तरह समृद्ध है।

राज्यपाल ने कहा कि कोई भी देश शिक्षा के बल पर ही सशक्त बन सकता है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तत्कालीन ब्रिटीश प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन के शिक्षा–बजट में कोई कटौती नहीं की थी, चूँकि उनकी मान्यता थी कि बड़ी–बड़ी इमारतों, कल–कारखानों, पुल–पुलियों का निर्माण कुछ दिनों के लिए स्थगित किया जा सकता है, परन्तु शिक्षा–व्यय में कटौती कर पूरी एक पीढ़ी को तबाह होते नहीं छोड़ा जा सकता।

राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान–विज्ञान के हर क्षेत्र में छात्राएँ काफी बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। पढ़ाई–लिखाई, खेलकूद आदि हर प्रक्षेत्र में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों की तुलना में काफी बेहतर हो रहा है। यह बदलते समय का परिचायक है। राज्यपाल ने अमेरिका की पूर्व विदेश सचिव कॉन्डोलिजा राइस का नजीर देते हुए कहा कि लिबिया के तत्कालीन शासक कर्नल गद्दाफी अमेरिका की ताकत के मूल में इस महिला के योगदान को सर्वोपरि मानते थे। राज्यपाल ने कहा कि अमेरिकी महिला विदेश सचिव की ताकत की जड़ में उसे हासिल तालीम ही थी। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्त्व को समझाते हुए विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों में अनुशासन बनाये रखने का अनुरोध किया।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि बिहार में प्रतिभाशाली युवाओं की कमी नहीं है। श्री मलिक ने कहा कि बिहार में ही अगली 'हरित क्रांति' प्रतिफलित होगी, जिससे पूरा देश खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि दुनियाँ के अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों की तुलना में भारत में काफी कम लोग नोबेल पुरस्कार पाने में सफल रहे हैं। श्री मलिक ने विश्वास व्यक्त किया कि दर्जन भर नोबेल पुरस्कार हासिल करनेवाले इस देश में बिहारी प्रतिभाएँ निश्चय ही भविष्य में नोबेल पुरस्कार पाने में भी सफल होंगी। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक वर्ष26 जनवरी को राजभवन में आयोजित होनेवाले कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों को भी आमंत्रित कर पुरस्कृत किया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार में उच्च शिक्षा में सुधार के लिए 'कुलपतियों की बैठक' में लिये गये निर्णयों के आलोक में कई कार्यक्रम कार्यान्वित हुए हैं। श्री मलिक ने कहा कि एकेडमिक एवं परीक्षा–कैलेण्डर तैयार कर तदनुरूप समयबद्ध रूप से सत्र–संचालन करने को कहा गया है। नया पाठ्यक्रम आधुनिक जरूरतों के मुताबिक तैयार कर कार्यान्वित किया जा रहा है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए बायोमैट्रिक हाजिरी की व्यवस्था की जा रही है तथा सी॰सी॰टी॰वी॰ कैमरे लगाने को कहा गया है। साथ ही, सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्राओं के लिए गर्ल्स कॉमन–रूम एवं वाश–रूम की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है, जिसके लिए धन की कोई कमी सरकार नहीं होने देगी। राज्यपाल ने कहा कि सिर्फ एक को छोड़कर सभी विश्वविद्यालयों में छात्र–संघ चुनाव सम्पन्न कराये जा चुके हैं, जिससे विश्वविद्यालयीय समस्याओं के निराकरण में सहूलियत होगी तथा नये युवा नेतृत्व भी विकसित हो सकेंगे।

राज्यपाल ने बी॰एड॰ कॉलेजों में नामांकन हेतु राज्य स्तर पर 'कम्बाइंड इन्टरेन्स टेस्ट' परीक्षा इस वर्ष से ही संचालित किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि इससे नामांकन में पारदर्शिता और नियमितता आएगी। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक–प्रतियोगिता–'उमंग' तथा क्रीड़ा–प्रतियोगिता –'तरंग' पुनः बेहतर ढंग से आयोजित करायी जाएँगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवसृजित पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ गुलाब चन्द राम जायसवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में भारतीय संस्कृति और दर्शन से संबंधित पाठ्यक्रम भी विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए लागू करने की जरूरत है।

कार्यक्रम में ए॰एन॰ कॉलेज के प्राचार्य –प्रो॰ एस॰पी॰ शाही ने स्वागत–भाषण करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ॰ कलानाथ मिश्र ने किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन प्रो॰ शत्रुंजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में युवा महोत्सव की आयोजन सचिव डॉ॰ रत्ना अमृत ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए तथा राज्यपाल ने एन॰सी॰सी॰ के छात्र श्री निखिल पांडेय को भी पुरस्कृत किया।

....